|  |
| --- |
| 17. März 2024 |
| **05. Fastensonntag B Misereor-Sonntag** |
| Erste Lesung: Jer 31,31-34; Zweite Lesung: Hebr 5,7-9; Evangelium: Joh 12,20-33 oder |
| Erste Lesung: Ez 37, 12b-14; Zweite Lesung: Röm 8, 8-11; Evangelium: Joh 11, 1-45 (oder 11, 3-7. 17. 20-27. 33b-45) |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 267, 1! | O Mensch, bewein dein Sünde |
|  | GL 461, 1+4 | Mir nach, spricht Christus |
|  | GL 266, 5+6 | Bekehre uns |
|  | GL 273, 1-4 | O Herr, nimm unsre Schuld |
| Kyrie: | GL 163, 4 oder 8 | Herr Jesus, auferstanden |
|  |  |  |
| Antwortgesang 1: | Ps 51,3-4.12-15 |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 301 | Ein reines Herz |
|  | Psalmenlied: |  |
|  | GL 268, 1+3+4 | Erbarme dich |
| Antwortgesang 2: | Ps 130, 1-8 |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 639, 3 | Beim Herrn ist Barmherzigkeit |
|  | Psalmenlied: |  |
|  | GL 277, 1+2+4 | Aus tiefer Not |
|  |  |
| Ruf vor dem Evangelium: | GL 584, 9 oder GL 560, 1 oder GL 644, 6 |
|  | Vers 1: |
|  | *So spricht der Herr:* |
|  | *Wenn einer mir dienen will, folge er mir nach;* |
|  | *und wo ich bin, dort wird auch mein Diener sein.* |
|  | Vers 2: |  |
|  | *So spricht der Herr:* |
|  | *Ich bin die Auferstehung und das Leben.* |
|  | *Jeder, der an mich glaubt, wird auf ewig nicht sterben.* |
|  |  |  |
| Credo: | Sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 460 | Wer leben will muss sterben |
|  | GL 210 | Das Weizenkorn |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 708 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 747 | Gottes Lamm |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 275, 1+2 | Selig, wem Christus |
|  | GL 359, 1-4 | O selger Urgrund |
|  | GL 270, 1-3 | Kreuz, auf das ich schaue |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 297, 1-4 | Wir danken dir, Herr Jesu Christ |